



शोफाली-मंधाना के तूफान में... 7 बिहार में विपक्ष के साथ अपनों... 3 लोकतांत्रिक तरीके आंदोलन कर... 2

गोली, आगजनी, मॉब लिंग हिंसा के हवाले भारत ?

» क्या कानून का खौफ कमजोर पड़ रहा है या व्यवस्था अपराधियों को रोकने में नाकाम साबित हो रही है

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में राजस्थान के कोटा से तीन लोग हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में दो हमलावर भी शामिल हैं। वहीं एक आरोपी नाबालिग है। मुंबई पुलिस ने बताया कि राजस्थान एजीटीएफ और कोटा सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुंबई पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर तीनों शूटरों को दबोचा। जानकारी के मुताबिक तीनों आरोपी पुणे जयपुर एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे।

पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह ट्रेन पुणे से उत्तर की ओर चलती है और मुंबई महानगर क्षेत्र से गुजरते हुए कल्याण जंक्शन और वसई रोड पर निर्धारित ठहराव करती है। इसके बाद यह गुजरात और मध्य प्रदेश से होते हुए राजस्थान में प्रवेश करती है। जयपुर की ओर बढ़ने से पहले ट्रेन कोटा जंक्शन पर रुकती है। मुंबई पुलिस ने बताया कि फायरिंग करने वाले मुंबई क्षेत्र से इस ट्रेन में सवार होकर भागने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि ट्रेन के कोटा स्टेशन पहुंचने पर कोटा पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। बताया गया कि तीन लोगों में से दो वही हमलावर हैं जिन्होंने रविवार शाम को टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की थी। फिलहाल तीनों लोगों से कोटा पुलिस पूछताछ कर रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार दो आरोपी हरियाणा के सोनीपत जिले के रहने वाले हैं। इनमें से 17 वर्षीय फूल सिंह पुत्र नरेश, बड़ोदा थूथन का रहने वाला है जबकि 18 वर्षीय रेहान पुत्र रिशुदीन अंसारी सोनीपत की ईदगाह कॉलोनी का निवासी है। इसके अलावा तीसरा आरोपी बिहार के बेगूसराय जिले के पिपराई गांव का रहने वाला है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शूटर जब फायरिंग कर रहे थे उस समय अभिनेता टाइगर को थोड़ा समय मिला और वो आगे की तरफ झुक गए। इसी वजह से उन्हें गोली नहीं लगी। वहीं उन्हें शीशे का टुकड़ा लगा था जिस वजह से उन्हें चोट लगी।

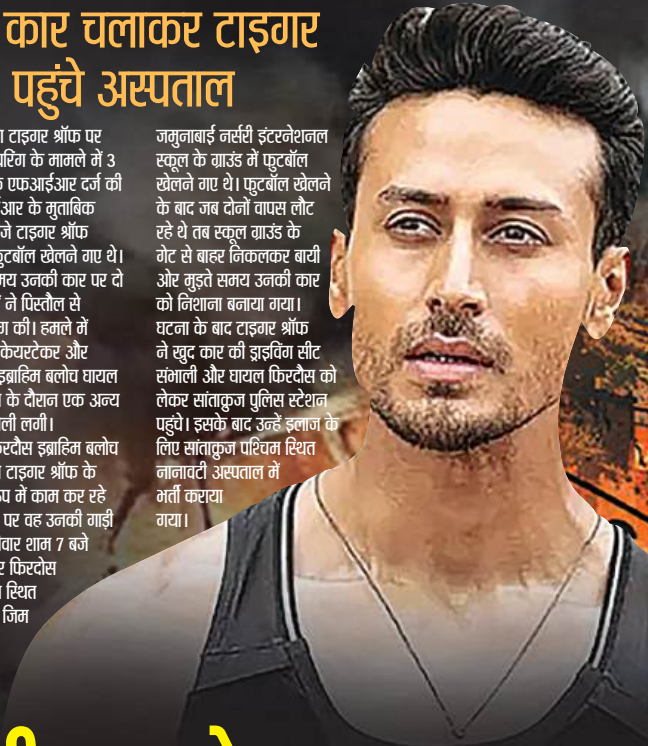
संबंधित खबरें पेज 8 पर

मुंबई में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग से मणिपुर की जातीय हिंसा तक कहीं बंदूक कहीं भीड़ कहीं जलते घर

खुद कार चलाकर टाइगर पहुंचे अस्पताल

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में हुई फायरिंग के मामले में 3 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है। एफआईआर के मुताबिक रविवार शाम 7 बजे टाइगर श्रॉफ अपनी कार से फुटबॉल खेलने गए थे। वहां से लौटते समय उनकी कार पर दो अज्ञात हमलावरों ने पिस्टोल से ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में टाइगर श्रॉफ के केयरटेकर और ड्राइवर फिरोदस इब्राहिम बलोच घायल हो गए। फायरिंग के दौरान एक अन्य व्यक्ति को भी गोली लगी। शिकायतकर्ता फिरोदस इब्राहिम बलोच पिछले 28 वर्षों से टाइगर श्रॉफ के केयरटेकर के रूप में काम कर रहे हैं। जल्द पड़ने पर वह उनकी गाड़ी भी चलाते हैं। रविवार शाम 7 बजे टाइगर श्रॉफ और फिरोदस सांताक्रुज पश्चिम स्थित एम.एम. मैट्रिक्स जिम से कार में सवार होकर विले पार्ले पश्चिम स्थित

जमुनाबाई नर्सरी इंटरनेशनल स्कूल के ग्राउंड में फुटबॉल खेलने गए थे। फुटबॉल खेलने के बाद जब दोनों वापस लौट रहे थे तब स्कूल ग्राउंड के गेट से बाहर निकलकर बायीं ओर मुड़ते समय उनकी कार को निशाना बनाया गया। घटना के बाद टाइगर श्रॉफ ने खुद कार की ड्राइविंग सीट संभाली और घायल फिरोदस को लेकर सांताक्रुज पुलिस स्टेशन पहुंचे। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए सांताक्रुज पश्चिम स्थित नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया।



हत्या, नफरती भाषण, भीड़ के हमले और खुलेआम धमकियों की घटनाओं ने खड़ा किया सवाल

मोदी राज के 12 साल, कानून के राज पर बड़े सवाल

यह कहां आ गये हम

यह कहां आ गए हम कभी मुंबई में फिल्म अभिनेता की कार पर गोलियां चली हैं कभी मणिपुर में जातीय हिंसा के बीच घर जलते हैं कभी हरियाणा में सांप्रदायिक तनाव के बाद बुलडोजर कार्रवाई विवादों में घिरती है और कभी किसी की पहचान खानपान या धर्म के नाम पर भीड़ कानून अपने हाथ में ले लेती है। सवाल केवल अपराध का नहीं है बल्कि उस भारत का है जहां संविधान ने प्रत्येक नागरिक को उसके जीवन सुरक्षा और न्याय का अधिकार दिया है। लेकिन इस व्यवस्था के बरअवस एक नयी व्यवस्था ने जन्म ले लिया है जहां अब बंदूक की आवाज से जनता का भविष्य तय होने लगा है। सोचिये... पांच राउंड गोलियां चली हैं फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार निशाने पर आती है उनके चालक समेत दूसरे लोग घायल



होते हैं और फिर सलमान खान को धमकी देने वाला संदेश सामने आ जाता है। सवाल सिर्फ बॉलीवुड की सुरक्षा का नहीं उस कानून व्यवस्था का है जिसके भरोसे आम आदमी घर से निकलता है और कारोबारी अपना कारोबार चलाता

है। अक्टूबर 2024 में बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई। अप्रैल 2024 में सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर गोलियां चलीं। फरवरी 2026 में फिल्मकार रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग हुई। अब अक्टूबर 2026 में टाइगर श्रॉफ की कार पर हमला। इन अलग अलग घटनाओं की जांच और उनके पीछे के कारण अलग हो सकते हैं लेकिन एक के बाद एक सामने आती ऐसी वारदातें मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं कि आखिर यह हो क्या रहा है। क्योंकि देश की आर्थिक राजधानी में यदि इतनी कमजोर कानून व्यवस्था होगी तो फिर काम कैसे चलेगा। अपराधी चुनौती देकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं और लोग डर कर जीवन गुजारने के लिए मजबूर हैं।

कोई भी गैंग हो हम सख्त कार्रवाई करेंगे : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले की निंदा की है। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि हमलावरों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। पुलिस को कुछ गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यह एक बहुत ही गंभीर और निंदनीय मामला है। मुंबई पुलिस ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। पुलिस को हमलावरों के बारे में कुछ सुराग मिले हैं। उन्हीं के आधार पर मुंबई पुलिस



काम कर रही है। हमलावरों की पहचान भी कर ली गई है और उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। सीएम फडणवीस ने चेतावनी दी है कि कोई भी गैंग हो या कोई भी व्यक्ति हो किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। अगर कोई धमकियां देकर कोई डराने का काम करता है तो मुंबई पुलिस जानती है कि उसे कैसे सीधा करना है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या सलमान के घर पर गोलियां, रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग और अब टाइगर श्रॉफ की कार पर हमला मायानगरी में बंदूक की दहशत का अगला शिकार कौन ?



कोटा से तीनों शूटर गिरफ्तार

लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे जेन-जी का समर्थन : राजेन्द्र चौधरी

» सपा बोली- युवाओं पर फर्जी मुकदमे लगा रही है सरकार
□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने दिल्ली में हो रहे जेन-जी आंदोलन का पूरा समर्थन किया है। इस बारे में बात किए जाने पर सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि दिल्ली में जेन-जी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सामने रख रहा है, जिसे सपा का पूरा समर्थन है। भाजपा इसे विदेश से फंडेड बताते हुए युवाओं पर फर्जी मुकदमे लगा रही है, जो पूरी तरह से अनुचित है। सपा लोकतांत्रिक तरीकों से विरोध का पूरा समर्थन करती है।

मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव समेत उसके कई वरिष्ठ नेता इस आंदोलन को सक्रिय समर्थन भी दे चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आईसा की अध्यक्ष नेहा बोरा को गिरफ्तार किए जाने पर चिंता जताई थी। दूसरी ओर, इसी जेन-जी आंदोलन के बीच से बांग्लादेश में हुए घटनाक्रम से प्रेरणा लेने की बात भी



सामने आई है, जिसे भाजपा मुद्दा बना रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि ये लोग देश को अराजकता की ओर धकेलना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तौर-तरीकों के दायरे से परे जाकर किसी आंदोलन का समर्थन करने की पक्षधर नहीं

नाराज नेताओं को वापस लाने की मुहिम में जुटेगी सपा

सपा ने सियासी समीकरणों को साधने और चुनावी जमीन को मजबूत करने के लिए एक बड़ी रणनीति तैयार की है। पार्टी ने भितरघात की आशंकाओं और पिछले चुनावों के कड़वे अनुभवों से सबक लेते हुए रुटे नेताओं और कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए एक विशेष राज्यव्यापी अभियान चलाने का फैसला किया है। समाजवादी पार्टी का मानना है कि अपनों की नाराजगी चुनाव के वक्त भारी पड़ सकती है, इसलिए इस बार चुनाव से पहले ही हर एक असंतुष्ट चेहरे को गले लगाने की तैयारी है। रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी के शीर्ष

नेतृत्व ने तय किया है कि प्रदेश के हर जिले में पार्टी के वरिष्ठ और कद्दावर पदाधिकारियों को विशेष दूत के रूप में भेजा जाएगा। ये नेता जिलास्तर पर जाकर उन तमाम छोटे-बड़े नेताओं, कार्यकर्ताओं और स्थानीय दिग्गजों से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे जो किसी न किसी वजह से पार्टी से नाराज चल रहे हैं। उनकी शिकायतों को सुनना, उन्हें सम्मान दिलाना और पार्टी की मुख्यधारा में दोबारा पूरी सक्रियता के साथ वापस लाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य होगा। इस अभियान में जमीन पर उतारे गए वरिष्ठ नेताओं की टीम जरूरत

पड़ने पर नाराज नेताओं की सीधी बात पार्टी नेतृत्व से भी कराएगी। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि सपा ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों की हार से सबक लेते हुए यह रणनीति तैयार की है। पिछले चुनाव में कई सीटों पर अपनों की नाराजगी और समय रहते उन्हें न मना पाने के कारण पार्टी को उम्मीद से ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा था और मामूली अंतर से कई सीटें हाथ से निकल गई थीं। इस बार सपा कोई भी जोखिम मोल लेने के मूड में नहीं है। अब सपा का यह अभियान कितना सफल होता है, यह तो भविष्य ही बताएगा।

पंजाब के लोगों का शासन व्यवस्था से भरोसा उठ रहा : पायलट कांग्रेस नेता बोले- आप सरकार में अपराधियों, नेताओं तथा पुलिस के बीच गठजोड़

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने पंजाब में नशीले पदार्थों और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भगवंत मान सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार, अपराधियों, नेताओं तथा पुलिस के बीच के कथित गठजोड़ का विरोध करने और उसे उजागर करने वालों का अंजाम तय रहता है। मानसा में गैंगस्टर विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा कि वह नशे की समस्या के खिलाफ लड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने जालंधर के कहा, "दुर्भाग्य से अब पंजाब के लोगों का शासन व्यवस्था से भरोसा उठ रहा है।

इसी वजह से लोग राज्य छोड़कर जा रहे हैं। वे वापस नहीं आना चाहते। युवा निराश हैं। उन्हें लगता है कि जिस तरह चीजें हो रही हैं, उससे उम्मीद खत्म हो रही है। मेरे विचार से यह समाज के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।" उन्होंने कहा, "चुनाव आते-जाते रहेंगे, पार्टियां जीतेंगी और हारेंगी, लेकिन व्यवस्था में लोगों के विश्वास से समझौता नहीं किया जा सकता।" झोटा नशीले पदार्थों की अवैध



बिक्री के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जाने जाते थे। 13 अक्टूबर को मानसा के एक भीड़भाड़ वाले बाजार में स्थित मेडिकल स्टोर के भीतर दिनदहाड़े गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी।

आरोप है कि झोटा ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को नशीली दवाएं बेचने पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद दुकान के मालिक अश्वनी कुमार ने उन पर गोली चला दी। अश्वनी को राजस्थान के सालासर से हिरासत में लिया गया था। पायलट गैंगवार के पीड़ितों के परिवारों से मिलने और उन्हें न्याय दिलाने की मांग के लिए पांच दिवसीय पंजाब दौरे

नियोजन अभिलेखों की कमी के लिए शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराना अनुचित

एक सवाल के जवाब में पायलट ने पंजाब में नशे की समस्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ सत्ता में रही थी, इसलिए वह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। उन्होंने कहा, "आज दिल्ली में भाजपा की सरकार है। उसके पास गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय हैं पकिस्तान से लगी सीमाओं पर निगरानी में खामियां हैं। सीमा पार से नशीले पदार्थ और हथियार आ रहे हैं। भारत सरकार क्या कर रही है?"

पर हैं। दौरे के तीसरे दिन उन्होंने शाहकोट में कबड्डी खिलाड़ी संदीप नांगल अंबिया के परिवार से मुलाकात की। प्रमुख कबड्डी खिलाड़ी अंबिया की मार्च 2022 में जालंधर में एक मैच के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

» बसपा प्रमुख ने ईशान को दी दिल्ली की जिम्मेवारी

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संगठन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक विस्तृत बयान जारी किया है। उन्होंने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की परिपक्वता और मेहनत की सराहना करते हुए उनके आगामी जनसभा कार्यक्रमों की सूची जारी की है, जबकि उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी की सभी संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे भतीजे ईशान आनंद की भी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सक्रिय भूमिका की घोषणा की है।

मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद, बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद काफी सूझबूझ और परिपक्वता (मैच्योरिटी) का परिचय दे रहे हैं। वे



अशोक सिद्धार्थ की वापसी पर पूर्ण विराम

मायावती ने स्पष्ट किया कि पिछले दिनों हुए अप्रिय घटनाक्रमों के लिए आकाश आनंद कम और उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ ज्यादा जिम्मेदार थे। इसी वजह से अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर कर राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी गई थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए कहा कि इन अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें कि अशोक सिद्धार्थ को दोबारा पार्टी में लिया जाएगा। उन्हें अब किसी भी स्थिति या कीमत पर बसपा में वापस नहीं लिया जाएगा। मायावती ने बताया कि आनंद कुमार के छोटे बेटे ईशान आनंद, जिन्होंने अपनी वकालत (लॉ) की पढ़ाई लंदन से पूरी की है, अब बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिशा-निर्देशन में एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे। वे दिल्ली स्थित बसपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के चुनाव और कागजी कामकाज (पैपवर्क) से संबंधित जिम्मेदारियों में सहयोग देंगे।

परिवार और रिश्ते-नातों से ऊपर उठकर बसपा पार्टी व मूवमेंट के कार्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी मेहनत से निभा रहे हैं।

बिहार में शिक्षक सेवा सुरक्षा को लेकर चिंतित : तेजस्वी

» राजद नेता ने सीएम सम्राट चौधरी को लिखा पत्र

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अब मुद्दों पर सियासत कर रहे हैं। विधान परिषद चुनाव की सरगर्मी के बीच उन्होंने शिक्षकों का मुद्दा उठाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर उन्होंने कहा कि हजारों नियोजित शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अप्रशिक्षित शिक्षकों के साथ-साथ उर्दू एवं बांग्ला स्पेशल शिक्षकों के भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। सरकार से मांग है कि सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने और प्रभावित शिक्षकों की सेवा सुरक्षित रखने के लिए तत्काल



कदम उठाएं। तेजस्वी यादव ने कहा कि हजारों शिक्षक परिवारों का भविष्य अनिश्चितता में है। ऐसे में राज्य सरकार को न्यायिक, मानवीय और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार करते हुए तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि लंबे समय से सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षकों के साथ अन्याय नहीं हो। इसलिए सरकार शिक्षकों की ओर से पुनर्विचार याचिका दाखिल करने, सेवा

नियोजन अभिलेखों की कमी के लिए शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराना अनुचित

तेजस्वी यादव ने कहा कि वर्षों से सरकारी विद्यालयों में पढ़ा रहे हजारों शिक्षकों के नियोजन अभिलेख या मेधा सूची से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में संबंधित नियोजन इकाइयों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। यदि किसी स्तर पर प्रशासनिक लापरवाही या दस्तावेजों के रखरखाव में कमी हुई है, तो इसकी सजा शिक्षकों और उनके परिवारों को देना न्यायसंगत नहीं होगा।

सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने और आवश्यक कानूनी कदम उठाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि उर्दू एवं बांग्ला स्पेशल शिक्षकों का नियोजन

किसी नई प्रक्रिया के तहत नहीं हुआ था। उनकी नियुक्तियां वर्ष 2014 में शुरू हुई नियोजन प्रक्रिया की निरंतरता में न्यायिक आदेशों और विभागीय निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2015-16 में की गई थीं। ऐसे में केवल नियुक्ति की तारीख 31 मार्च 2015 के बाद होने के आधार पर इन शिक्षकों को सेवा समाप्ति के दायरे में रखना उचित नहीं होगा। मांग में कहा गया है कि संबंधित शिक्षकों में कई ऐसे हैं, जिन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है और सक्षमता परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। इनमें कुछ शिक्षक वर्तमान में विशिष्ट शिक्षक, प्रधान शिक्षक अथवा विद्यालय अध्यापक के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। ऐसे शिक्षकों के मामले में उनकी वर्तमान योग्यता और नियुक्ति की स्थिति को ध्यान में रखते हुए संरक्षण दें।

बामुलाहिजा

काहून: हसन जैदी



बिहार में विपक्ष के साथ अपनों से भी जारी है तकरार

विपक्ष ने कड़े किए तेवर संबंधों पर पड़ेगा असर

जदयू बोली- राज्य की कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं

» राज्य के कानून व्यवस्था के बाद नाव हादसे को लेकर लोजपा रामबिलास मुखर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। बिहार में क्या सहयोगी दल लोजपा राम विलास भाजपा के सीएम सम्राट चौधरी से नाराज हैं। तभी अभी कुछ दिन पहले छेड़खानी के मामले सरकार को आंख दिखा रहे थे। अब नाव हादसे में कई बच्चों के मरने पर गुस्से में हैं। उन्होंने सरकार पर लापरवाही का आरोप तक लगा दिया। हालांकि उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इसी के साथ विपक्षी दल भी हमलावर हैं। अभी हाल में जिस तरह कई जिलों में छेड़खानी की घटनाएं सोशल मीडिया पर आ रही है उससे एनडीए सरकार व सीएम सम्राट धिरे जा रहे हैं।

विपक्ष तो आक्रामक है ही साथ उसके अपने सहयोगी भी उन पर सवाल दाग रहे हैं। इनसबके बीच चुनाव आयोग वाले मुद्दे पर भी सहयोगी दल मुखर है। चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा से लेकर जदयू तक आयोग को फटकार रहे हैं। उधर चिराग पासवान के बयान ने इस पूरे मामले का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। चिराग ने विपक्ष के आरोपों को सही ठहराने के बजाय मुद्दे की जड़ पर हाथ रखा है, यानी उन्होंने जनता के भरोसे की बात कही है। उनका तर्क है कि विपक्ष राजनीति करेगा, यह उसका काम है। अब तक चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों में विपक्ष सबसे आगे था, लेकिन अब सत्ता पक्ष के भीतर से भी चुनाव आयोग को लेकर आवाज उठने लगी है। यही इस पूरे विवाद का सबसे अहम पहलू है। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से साफ कहा है कि अगर चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं तो चुनाव आयोग को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उनका कहना है कि आयोग को सफाई राहुल गांधी को नहीं, बल्कि देश की जनता को देनी चाहिए। हम आपको बता दें कि मामला इसलिए गरम है क्योंकि चुनाव आयोग के भीतर ही मतभेदों की खबर सामने आई है। द इंडियन एक्सप्रेस की पड़ताल के मुताबिक तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में कम से कम 14 मौकों पर मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में लिए जा रहे फैसलों और निर्देशों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। ये आपत्तियां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े कामकाज, प्रपत्रों में बदलाव, आंकड़ों और मतदाता सूची से नाम हटाने जैसे मुद्दों को लेकर थीं। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयान के बाद आरजेडी उनसे इस्तीफा



और सत्ता पर हमला भी करेंगे... दोनों चीजें नहीं चल सकती हैं : एजाज अहमद

आरजेडी की ओर से भी रिएक्शन आया है। आरजेडी के प्रवक्ता एजाज अहमद ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयान पर कहा कि सत्ता के साथ भी रहेंगे और मजा भी लेंगे, कहीं न कहीं अपनी छवि बचाने के लिए और बिहार में जिस तरह से परिस्थिति का निर्माण हुआ है उससे अपने आप को अलग करने के लिए जिस तरह का आप दृष्टिकोण पेश कर रहे हैं इसको बिहार की जनता भी समझ रही है।

आप गुड़ खाएंगे और गुलगुले से परहेज करेंगे? एजाज अहमद ने कहा, सत्ता का मजा भी लेंगे और सत्ता पर हमला भी करेंगे... दोनों चीजें नहीं चल सकती हैं। अगर आपको लगता है कि बिहार में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, लॉ एंड ऑर्डर ठीक नहीं है, बिहार में सरकार का इकबाल समाप्त हो गया है तो आप सत्ता से चिपके रहने की राजनीति को समाप्त कीजिए। स्पष्ट रूप से सत्ता से बाहर आइए और संदेश दीजिए कि स्वार्थ के लिए राजनीति नहीं करते हैं।

मांग रही है। वहीं जेडीयू का कहना है कि चिराग पासवान ने अपराध पर अपनी चिंता जाहिर की है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामबिलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने यह बयान दिया है कि बिहार में पुलिस-प्रशासन निकम्मा हो चुका है। उन्हें दुख है कि वे इस सरकार का समर्थन कर रहे हैं। उनके बयान के बाद सियासत शुरू हो गई है। आरजेडी इस्तीफा देने के लिए कह रही है इस बीच जेडीयू की ओर से पहली प्रतिक्रिया आई है।

बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है यहां पर अगर अपराध करेंगे तो सरकार माफ़ूल जवाब भी देगी : चंदन सिंह

जेडीयू के प्रवक्ता चंदन सिंह ने कहा कि बिहार में पिछले दो दशक से कानून का राज है। नीतीश कुमार ने क्राइम से कभी समझौता नहीं किया। उन्हीं की विरासत को सम्राट चौधरी जी संभाल रहे हैं। जमुई की जो दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी उसमें प्रशासन ने

अपराधियों को सख्त संदेश दे दिया है। बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। यहां पर अगर अपराध करेंगे तो सरकार माफ़ूल जवाब भी देगी। केंद्रीय मंत्री के



बयान पर चंदन सिंह ने कहा, चिराग पासवान ने अपराध पर अपनी चिंता जाहिर की है। हम सम्मान करते हैं, लेकिन बिहार में अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। अपराधियों को प्रशासन के द्वारा माफ़ूल जवाब दिया जाएगा।

आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल

देखा जाये तो राजनीति में यही वह मोड़ होता है जहां बात आरोप-प्रत्यारोप से निकलकर भरोसे के सवाल पर आ जाती है। चुनाव जीतने-हारने का फैसला जनता करती है, लेकिन चुनाव कराने वाली संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होने लगे तो उसका असर किसी एक दल की राजनीति तक सीमित नहीं रहता। खासकर तब, जब आयोग के भीतर दर्ज आपत्तियों की संख्या भी सामने आ चुकी हो और बाहर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा हो। ऊपर से चुनाव आयोग की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के प्रस्तावित युवा मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के स्थगित होने की खबर भी आई है। आयोग ने इसे कार्यक्रमों की

तारीखों में होने वाले सामान्य बदलाव से जोड़ा है, जबकि सूत्रों के मुताबिक ये कार्यक्रम अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए हैं। यानी फिलहाल सियासत की गंद चुनाव आयोग के पाले में है। विपक्ष सवाल की बौछार कर रहा है, भाजपा उसका बचाव कर रही है, लेकिन अब सहयोगी दल की तरफ से भी यही कहा जा रहा है कि सवाल उठ रहे हैं तो जवाब साफ-साफ दिया जाए। यही इस विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। मामला अब सिर्फ यह नहीं रह गया कि कौन किस पर आरोप लगा रहा है; असली सवाल यह है कि चुनावी व्यवस्था को लेकर जनता के मन में उठ रहे संदेहों का जवाब कौन और किस तरह देगा।

कहानी विपक्ष बनाम चुनाव आयोग की सीधी लड़ाई से आगे निकली

अब यहां से कहानी विपक्ष बनाम चुनाव आयोग की सीधी लड़ाई से आगे निकल जाती है। विपक्ष पहले से आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल हैं। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग तक कर दी है। कांग्रेस सहित विपक्षी दल संसद में भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में हैं।

अधिकारियों की लापरवाही से हुआ हादसा : चिराग

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के वैशाली ज़िले में नाव पलटने की घटना में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। इस हादसे में 15 साल या उससे कम उम्र के कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। पासवान ने कहा कि केंद्र और बिहार सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द हर संभव मदद मिले। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा करते हुए, उन्होंने बचाए गए बच्चों से मुलाकात की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्किल समय में सही इलाज और मदद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पक्के इरादे के साथ यहाँ आए हैं कि भर्ती बच्चों के इलाज में

कोई कमी न रहे। हमने बुरे से बुरे सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि ऐसी दिल दहला देने वाली घटना होगी, जिसमें इतने सारे मासूम बच्चों की जान चली जाएगी। हाजीपुर के सांसद ने कहा कि सोमवार देर रात घटना की खबर मिलने के बाद से ही वे स्थानीय प्रशासन और प्रभावित परिवारों के संपर्क में हैं। उन्होंने इस बात की जांच की जरूरत पर भी जोर दिया कि क्या इसमें कोई लापरवाही हुई है, क्योंकि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि नाव की मांग की गई



थी लेकिन वह उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ है, तो जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। पासवान ने इस बात पर जोर दिया कि यह समझना जरूरी है कि इतने सारे बच्चे बिना किसी प्रशासनिक निगरानी के देर रात नदी वरों पार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने माना कि बचाव कार्यों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को बचाने पर ध्यान दिया गया, लेकिन अफसोस जताया कि जिन लोगों की जान चली गई, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता। उन्होंने कहा कि हम इस मुश्किल समय में उनके परिवारों को हिम्मत और हौसला देने के लिए यहां आए हैं।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

ई-वेस्ट बनी पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती

भारत में जैसे-जैसे तकनीकी बढ़ रही वैसे उसके उत्पादों की खपत बढ़ रही है। इसी के साथ ई-कचरा भी बढ़ रहा है। इसी के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा जिससे पर्यावरण का नुकसान होता है। ऐसे में ऐसे वस्तुओं को रिपेयर करके उन्हें पुनः प्रयोग में लाकर हम कई परेशानियों से बच सकते हैं। पूरी दुनिया में गत कुछ वर्षों से मरम्मत के अधिकार को लेकर व्यापक बहस छिड़ी हुई है और उसके तहत यूरोपियन यूनियन, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका समेत कई राष्ट्रों ने व्यापक अथवा कुछ सीमित कानून भी बनाए हैं। भारत में भी वर्ष 2022 में उपभोक्ता मंत्रालय के तहत राइट टू रिपेयर पोर्टल बनाकर कृषि, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत के लिए 65 से अधिक निर्माता कंपनियों से मरम्मत को सुलभ बनाने के लिए घोषणा करवाई है। इसके अतिरिक्त 112 अन्य बड़ी कंपनियों से इस बाबत संवाद चल रहा है। पोर्टल की लोकप्रियता और धरातल पर हकीकत कोसों दूर है।

आलम यह है कि कंपनी अथवा अधिकृत कार्यशाला के अतिरिक्त कहीं पर मरम्मत के बाद किसी भी प्रकार के कार्य पर अग्रिम सेवाओं के लिए पाबंदी लगा दी जाती है। भौतिकवादी युग में उपभोग की वस्तु का निरंतर बदलाव शान-शौकत के लिए तो अच्छा हो सकता है, किंतु यह प्रकृति को अपरिवर्तनीय नुकसान भी पहुंचाए जा रहा है। शायद यह अविश्वसनीय लगे, किंतु उपलब्ध तथ्यों के अनुसार यदि उपयोग में लाए जा रहे उपकरणों एवं मशीन की मरम्मत होकर उसके जीवनकाल को बढ़ा दिया जाए तो कार्बन उत्सर्जन नए उत्पादन की अपेक्षा 80 प्रतिशत तक कम हो सकता है। लेकिन नीतिगत स्तर पर कठोर कानून के अभाव में अब भी उपकरण एवं मशीन निर्माता अपनी मनमानी के चलते आवश्यक कलपुर्जों को अपने प्रतिष्ठानों के अतिरिक्त उपलब्ध नहीं करवा रहे हैं। साथ ही, आमजन में यह भी दृढ़ता के साथ प्रत्यारोपित कर दिया गया है कि यदि किसी वस्तु की मरम्मत कंपनी प्रतिष्ठान के अतिरिक्त करवाई जाती है तो उसके साथ जुड़ी वारंटी और गारंटी स्वतः समाप्त मान ली जाएगी। हालांकि, उपभोक्ता कानून के तहत यह उचित नहीं है। निर्माताओं ने सोची समझी साजिश के तहत मरम्मत से जुड़ी अनौपचारिक उद्यमिता को हतोत्साहित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी है।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंदोलन टालने को बने स्थायी संवाद तंत्र

डॉ. जगदीप सिंह

भारत में विद्यार्थी, किसान, कर्मचारी, विभिन्न संगठन और राजनीतिक दल समय-समय पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते रहते हैं। ये आंदोलन लोकतंत्र की अभिव्यक्ति हैं, किंतु जब लंबे समय तक चलते हैं तो सरकारी कामकाज बाधित होता है, सड़कें अवरुद्ध हो जाती हैं और आम नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। कई बार छोटी-सी असहमति भी हिंसक रूप ले लेती है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है। इस स्थिति से निपटने के लिए एक स्थायी तंत्र की आवश्यकता है, जो आंदोलन शुरू होने से पहले ही संवाद स्थापित करे और समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करे। निःसंदेह, इसके लिए एक अलग समन्वय मंत्रालय बनाया जाना चाहिए। इस मंत्रालय का नेतृत्व कोई अवकाश प्राप्त न्यायाधीश व सरकार का प्रतिनिधि करे, जो पूर्णकालिक रूप से इसी कार्य के लिए समर्पित हो।

मंत्रालय में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी नियुक्त किया जाए, जो दैनिक समन्वय का दायित्व संभाले। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस मंत्रालय में विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। आंदोलन लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं, क्योंकि वे जनता की आवाज को सत्ता तक पहुंचाने का माध्यम बनते हैं। यह विभाग स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए, ताकि उस पर किसी राजनीतिक दल का प्रभाव न पड़े। इसमें अनुभवी मध्यस्थों, समाजशास्त्रियों, कानून विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। इसकी कार्यप्रणाली पारदर्शी हो और इसकी सिफारिशों को सरकार गंभीरता से ले। जब कोई नया मुद्दा सामने आए, तो विभाग तुरंत सक्रिय होकर संबंधित पक्षों को बातचीत के लिए आमंत्रित करे और संवाद की प्रक्रिया शुरू करे। यदि किसी पक्ष को बातचीत के बाद भी असंतोष हो, तो

विभाग संवाद जारी रखे, ताकि विवाद को बढ़ने से रोका जा सके। ऐसे विभाग की स्थापना से समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव होगा, क्योंकि संवाद आंदोलन शुरू होने से पहले ही आरंभ हो जाएगा।

दूसरा, सरकारी कामकाज निर्बाध रूप से चलता रहेगा और कार्यालयों का काम प्रभावित नहीं होगा। तीसरा, यातायात और आम जनजीवन पर पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव कम होगा, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। चौथा, आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव कम होगा। पांचवां, हिंसक



घटनाओं की आशंका कम होने से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिलेगी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि जनता की बात सुनने और समस्याओं का समाधान निकालने के लिए एक संस्थागत माध्यम उपलब्ध होने से लोकतंत्र मजबूत होगा। इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करते हुए सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। विश्व के कई देशों में विवादों और विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संवाद एवं मध्यस्थता की व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद व्यवस्था के अंत के बाद राष्ट्रीय शांति समझौते के अंतर्गत स्थानीय और क्षेत्रीय शांति समितियां गठित की गईं। ये समितियां विभिन्न समुदायों के बीच विवादों को सुलझाने

का कार्य करती थीं। जब कोई तनाव उत्पन्न होता तो समिति तुरंत मध्यस्थता करती और स्थानीय स्तर पर समझौता करवाती। इससे बड़े पैमाने पर हिंसा की घटनाएं कम हुईं और राजनीतिक संक्रमण शांतिपूर्ण रहा। भारत में भी कुछ संस्थाएं मानवाधिकारों और अल्पसंख्यकों से संबंधित मुद्दों पर कार्य करती हैं, किंतु आंदोलन से जुड़े व्यापक विवादों के समाधान में उनकी भूमिका सीमित है। यदि एक समर्पित संवाद विभाग स्थापित किया जाए, तो वह इन संस्थाओं के साथ समन्वय करके अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकता है। इस विभाग की सफलता के लिए

कुछ शर्तें आवश्यक हैं। पहली, इसे पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त होनी चाहिए। दूसरी, इसके पास पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित कर्मचारी होने चाहिए। तीसरी, सरकार को इसकी सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करके आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। चौथी, इसकी कार्यप्रणाली पारदर्शी होनी चाहिए और इसके कामकाज के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

यदि इन शर्तों को पूरा किया जाए, तो यह विभाग आंदोलनों के पीछे मौजूद समस्याओं की पहचान करके उनके स्थायी समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समस्याओं का समय रहते समाधान होने से जनता का सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। विभाग की स्थापना भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक परिपक्व और उत्तरदायी बना सकती है।

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन सेवानिवृत्त

सेना में एक बात अक्सर सुनने को मिलती है 'कोई लड़ई नहीं लगी है।' यानी जब कोई युद्ध नहीं चल रहा है, तब इतनी जल्दी किस बात की? लेकिन खुफिया विभाग, क्रियान्वयन, योजना, कमान और रणनीतिक मामलों में अपनी जिंदगी बिताने के बाद, मेरा मानना इसके उलट रहा है। मेरी दृष्टि में, हमें हमेशा ही युद्धकाल जैसी तैयारियां रखनी चाहिए—भले ही युद्ध वास्तव में न हो, लेकिन संस्थागत तौर पर हो। कभी भी कोई संकट खड़ा हो सकता है। संकट आने के बाद तैयारी शुरू नहीं की जा सकती। जमीनी स्तर पर सैनिक अक्सर इसका पूर्वाभ्यास करते हैं। प्रत्येक कमान-नियुक्ति के दौरान, मुश्किल हालात में मैंने अपने मातहतों के लिए एक नियम बनाया था जब भी कोई जानकारी मिले, सबसे पहले मुझे तक पहुंचाई जाए। पूरी तस्वीर साफ होने का इंतजार न करें।

इसलिए, स्टाफ और मातहत कमांडर अपना वह काम करते रहे, जिसका प्रशिक्षण उन्हें दिया गया था। मैं निगरानी रखता, सलाह देता, विकल्पों पर चर्चा करता या जरूरत पड़ने पर दखल देता। कमांडर को शुरुआती कुछ मिनट बर्बाद नहीं करने चाहिए। मुझे रात के किसी भी पहरे जगाया जा सकता था। मैंने अपने संदेशवाहकों को निर्देश दे रखा था कि जानकारी देने से पहले मुझे आधा मिनट दिया जाए। मेरे बिस्तर के पास हमेशा गर्म पानी रहता था। उन चंद सेकंडों में मैं अपनी चेतना को एकाग्र कर पाऊं और गला साफ कर सकूँ। संकट के समय कमांडर की आवाज़ में संयम और अधिकार का भाव होना चाहिए। 26/11 का मुंबई आतंकी हमला इस बात की स्थायी याद दिलाता है कि सूचना, भले ही टुकड़ों में और समय के साथ-साथ मिले, अपने आप बचाव की कार्रवाई शुरू नहीं

ज़िला स्तर पर हो युद्धकाल जैसी तैयारी



करा देती। सूचना प्राप्त करना और उसे कार्रवाई में बदलना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। खतरे की पहचान होने और उसके जवाब में कार्रवाई करने के बीच कई चरण होते हैं जानकारी का सही अर्थ निकालना, उसे आगे संप्रेषित करना, फैसला लेना, आदेश देना, इंतजाम करना और क्रियान्वयन करना। तथापि, हर चरण में विफलता की संभावना रहती है। आपदा प्रबंधन में यह बात और भी साफ तौर पर दिखाई देती है। मैंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह साल बिताए हैं। चेतावनी मिलने के बाद कार्रवाई के लिए समय बहुत कम होता है।

हो सकता है कि सैटेलाइट किसी असामान्य चीज का पता लगाए, रडार बहुत ज्यादा बारिश होने का संकेत दे, नदी का जलमापक पानी का खतरनाक स्तर दिखाए या कोई वैज्ञानिक एजेंसी सही चेतावनी जारी करे। फिर भी, इनमें से कोई भी चीज अकेले किसी की जान नहीं बचा सकती। नवंबर, 2023 में सिलक्वारा टनल हादसे के दौरान मैंने खुद इसकी अहमियत देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति की गंभीरता को जल्द समझ लिया और निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के ज़रूरी हर

संसाधन उपलब्ध कराया जाए। हमने कामयाबी पाने के लिए पूरी लगन के साथ काम किया। हमने इस बचाव अभियान को एक युद्ध की तरह लिया है। तकनीकी सूचना को सबसे पहले ऐसी भाषा में बदलना ज़रूरी है, जिसे आसानी से समझा जा सके। जमीन पर काम करने वाले व्यक्ति को किसी वैज्ञानिक शोध-पत्र की ज़रूरत नहीं होती।

उसे पांच सवालों के जवाब चाहिए होते हैं क्या होने की संभावना है? कहाँ? कब? कैसे खतरा है? अब क्या करना चाहिए? तकनीकी जानकारी को कार्रवाई के निर्देशों में बदलने के इस काम को आपदा प्रबंधन में अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। यह काम सटीकता और तेजी से होना चाहिए। तेजी से बदलते हालात वाली आपातस्थिति में जानकारी की उपयोगिता समय के साथ खत्म हो जाती है। चेतावनी कितनी जल्दी मिलती है, यह प्रतिक्रियात्मक उपाय करने के लिए उपलब्ध समय को निर्धारित करता है। हर ऐसी देरी, जिसे टाला जा सकता था, इस समय को बर्बाद कर देती है। जानकारी पहुंचाने के लिए तकनीक कई प्रकार के माध्यम मुहैया कराती है,

जैसे सेल ब्रॉडकास्ट, एसएमएस, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, टेलीविजन, रेडियो, सोशल मीडिया, सायरन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और सरकारी एवं पुलिस नेटवर्क। लेकिन संदेश जारी करना और उसे सही ढंग से पहुंचाना एक ही बात नहीं है। सरकार को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए हर उपलब्ध तरीके का इस्तेमाल करना चाहिए और बैकअप के तौर पर एक से ज्यादा तरीके अपनाने चाहिए। हर किसी को चेतावनी नहीं मिल पाएगी। हो सकता है कि किसी का फोन बंद हो, नेटवर्क काम न कर रहा हो या लोग सो रहे हों। इसीलिए मैं ज़िला स्तर पर आपातकालीन प्रतिक्रिया अभियानों को लेकर चिंतित रहता हूँ।

भारत में लगभग 750 जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हैं फिर भी हर जगह स्थायी और पेशेवर ऑपरेशन रूम नहीं हैं। जून 2023 में गुजरात सरकार ने एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जब चक्रवात 'बिपरजॉय' की आशंका के मद्देनज़र 3.2 करोड़ संदेश भेजे गए और एक भी जान नहीं गई। पहली चेतावनी कहाँ पहुंचनी चाहिए? रात दो बजे चैनल की निगरानी कौन करेगा? कौन इसे प्राप्त करेगा और जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करेगा? कौन इसे लागू करने योग्य आदेशों में बदलेगा? कौन पुलिस, अग्निशमन सेवा, अस्पतालों, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की इकाइयों, इंजीनियरों और स्थानीय प्रशासन को सतर्क करेगा? कौन लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का आदेश देगा, शरणस्थलों की पहचान करेगा। परिवहन की व्यवस्था करेगा और यह पुष्टि करेगा कि कार्रवाई शुरू हो गई है? कौन कार्रवाई की स्थिति पर नज़र रखेगा? कौन नागरिकों को बताएगा कि मदद आ रही है? इन सभी बातों का निर्धारण पहले से होना चाहिए और उनका पूर्वाभ्यास भी किया जाना चाहिए।

दशहरा

अधर्म पर धर्म की विजय...

दशहरा जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, देश में हिंदू समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। यह नवरात्रि के अंत में मनाया जाता है, जिसके कारण हर साल तिथि बदलती रहती है। इस बार यह त्योहार मंगलवार यानी 20 अक्टूबर 2026 को मनाया जायेगा। दशहरा पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। ये वही दिन है जब भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया था। इसलिए इस दिन लोग रावण दहन करते हैं। ये पर्व हमें ये संदेश देता है कि अच्छाई की जीत होकर ही रहती है। इस दिन कई जगह आयुध पूजा भी की जाती है।

इस दिन राम ने लंका पति रावण का वध किया था

मां दुर्गा ने महिषासुर का वध भी इसी दिन किया था

दशहरा यानी विजयादशमी पर्व राक्षस रावण पर भगवान श्री राम की विजय के रूप में मनाया जाता है। तो वहीं इस दिन माता दुर्गा ने दानव महिषासुर का वध भी किया था। इन दो कारणों से हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। नेपाल में दशहरा को दशैं के रूप में मनाया जाता है। इस दिन रावण दहन करने की भी परंपरा निभाई जाती है। इस दिन देश भर में जुलूस निकाले जाते हैं, जिसमें दुर्गा, सरस्वती, गणेश, लक्ष्मी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को पास की नदियों या समुद्र में ले जाकर विसर्जित कर दिया जाता है। इसके अलावा, बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण का पुतला जलाया जाता है और आतिशबाजी जलाकर जश्न मनाया जाता है। साथ ही, दिवाली या दीपावली त्योहार की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं।

दशहरा या विजयादशमी का त्योहार देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। कुछ इलाकों में लोग सार्वजनिक जुलूस निकालते हैं, तो कुछ इलाकों में वे रामलीला में हिस्सा लेते हैं। कुछ शहरों में रावण दहन का आयोजन किया जाता है। इस त्योहार की सबसे खास बात पटाखे फोड़ना और दावत खाना है। इस अवसर पर भारत में कई जगहों पर रंग-बिरंगी प्रदर्शनी और मेले आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, लोग दशहरा के त्योहार से दस दिन पहले से ही पूरी रामायण का मंचन करते हैं।

मेले का आयोजन

पूजा मुहूर्त

इस दशहरा में पूजा का शुभ समय दोपहर 02:05 बजे से दोपहर 02:51 बजे तक। इस समय में किया गया कोई भी नया कार्य या पूजन अपार सफलता दिलाता है। अपराह्न पूजा मुहूर्त (शस्त्र/वाहन पूजा) दोपहर 01:19 बजे से दोपहर 03:37 बजे तक। किसान भाइयों, व्यापारियों और शस्त्र पूजन करने वालों के लिए यह समय सबसे उत्तम है।

दशहरा का ऐतिहासिक महत्व

देश भर में लोग अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार दशहरा या विजयादशमी मनाते हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक के लोगों की इस त्योहार को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं। हालांकि, सभी कहानियां बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाती हैं। महाकाव्य रामायण के अनुसार, जब भगवान राम वनवास में थे, तब रावण ने उनकी पत्नी देवी सीता का अपहरण कर लिया और उन्हें अपने राज्य लंका ले गया। सीता को बचाने के लिए राम ने अपने भाई लक्ष्मण, भगवान हनुमान और बंदरों की सेना की मदद से लंका पर हमला किया। युद्ध के दसवें दिन, दशानन को अयोध्या के राजकुमार राम ने हराया था। त्योहार का नाम दो संस्कृत शब्दों दश (दस) और हर (हार) से आया है। यह उत्सव गर्मियों से सर्दियों में बदलाव का भी प्रतिनिधित्व करता है।

दशहरा की परंपरा और अनुष्ठान

दशहरा पूरे भारत में कई अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। दिल्ली, मेसूर, वाराणसी, कुल्लू और कोलकाता जैसे शहर इस त्योहार को धूमधाम से मनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। भगवान राम के अनुयायी अपनी प्रार्थना करने के लिए उन्हें समर्पित मंदिरों में जाते हैं।



हंसना मना है

पत्नी-सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तैलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तैलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे। पति हैरान।

एक बार बेटा दारु पी कर घर लौटा। बाप की डांट से बचने के लिए वो लैपटॉप खोल के बैठ गया और पढ़ने लगा। बाप घर लौटा और बोला- आज फिर पी कर आया है क्या? बेटा- नहीं तो पापा। बाप- तो

सूटकेस खोल के क्यों बैठा है?

एक बच्चा स्कूल से रोते हुए जल्दी घर वापस आ गया। मम्मी - क्या हुआ बेटा तू रो क्यों रहा है और आज इतनी जल्दी घर क्यों आ गया? बच्चा - मम्मी मैंने तो बस एक मच्छर मारा था और मैडम ने मुझे मारा और स्कूल से भगा दिया। मां- एक मच्छर मारने पर तुझे क्यों मारा और स्कूल से भी भगा दिया? बच्चा- मम्मी, मच्छर उनके गाल पर बैठा था।

कहानी

मूर्ख साधू और टग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधु को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक टग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और टग को अपना शिष्य बना लिया। टग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। टग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह टग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और टग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। टग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मोके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई टग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

कहानी से सीख: हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए और न ही किसी की चिकनी चुपड़ी बातों पर विश्वास करना चाहिए।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आनंद शर्मा

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेघ 	कार्यक्षेत्र में नए विचार और नीतियां सफलता दिलाएंगी। व्यापार में नए सोदे तय होंगे, लाभ के अवसर मिलेंगे। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी, धन लाभ संभव है।	तुला 	दफ्तर में आपकी छवि और प्रभाव में वृद्धि होगी। व्यापारिक साझेदारी में उत्तम लाभ मिलने के संकेत हैं। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।
वृषभ 	सहकर्मियों का पूर्ण सहयोग मिलने से काम आसान होंगे। व्यापार में स्थिरता आएगी और मुनाफा बढ़ेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, मानसिक शांति मिलेगी।	वृश्चिक 	विरोधियों पर भारी पड़ेंगे, कार्य सिद्ध होंगे। व्यापार में लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक सहयोग से मनोबल ऊंचा रहेगा। सफेद मिट्टी का दान करें।
मिथुन 	कार्यस्थल पर आपकी बौद्धिक क्षमता की तारीफ होगी। प्रियजनों के साथ मनमुटाव दूर होगा। व्यावसायिक यात्राओं से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।	धनु 	रचनात्मक कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। नए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ होगा। संतान पक्ष से संतोषजनक परिणाम मिलेंगे। शिव चालीसा का पाठ करें।
कर्क 	पदोन्नति या नए अधिकार मिलने के योग हैं। व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी, लाभ होगा। परिवार में सुख और शांति का वातावरण रहेगा। धन संवय के प्रयास रंग लाएंगे।	मकर 	कार्यस्थल पर जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता रहेगी। लेन-देन के मामलों में सावधानी जरूरी है। परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बेहतर रखें। थोड़ा आराम करें, थकान से बचें।
सिंह 	आपके साहस और निर्णय लेने की क्षमता से लाभ होगा। व्यापार में नए सोदे तय होने की संभावना है। प्रेम जीवन में नया उत्साह देखने को मिलेगा।	कुम्भ 	आपकी चतुराई और सूझबूझ से कठिन काम भी आसान होंगे। व्यापार में नए अनुबंधों पर मुहर लग सकती है। बहते जल में सफेद फूल प्रवाहित करें।
कन्या 	कार्यस्थल पर सतर्क रहें और काम पर ध्यान केंद्रित करें। व्यापार में किसी पर भी अंधाधुंध भरोसा न करें। खान-पान में सफाई और संतुलन बनाए रखें।	मीन 	आपके लिए सुझावों से प्रबंधन को लाभ होगा। व्यापार में मुनाफा बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा। मानसिक शांति मिलेगी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर टाइगर श्रॉफ

टाइगर श्रॉफ को लेकर बड़ी खबर सामन। आ रही है। रविवार शाम टाइगर पर जुहू में फायरिंग की गई है। टाइगर पर फायरिंग करने बाइक पर 3 लोग आए थे। 2 गोली चलाने चला रहे थे, जबकि एक बाइक तैयार बैठा था। इस अटैक में टाइगर बिल्कुल सुरक्षित हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। विदेश में बैठे गैंगस्टर अनिल पंडित और हरमन संधु के नाम से फायरिंग की जिम्मेदारी ली गई है, जो कि लॉरेंस गैंग के सदस्य हैं। हालांकि, पोस्ट की प्रामाणिकता और इसमें किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, टाइगर की कार पर कई राउंड फायरिंग की गई। इस घटना में टाइगर श्रॉफ सुरक्षित हैं, जबकि उनके ड्राइवर को इलाज के लिए नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि टाइगर फुटबॉल मैच खेलने के बाद घर लौट रहे थे, तभी उनकी गाड़ी पर फायरिंग हुई। घटना के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई पुलिस आयुक्त को फोन कर टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी की घटना की जानकारी ली है। उन्होंने पुलिस आयुक्त को तत्काल तेजी से जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने भी टाइगर श्रॉफ के परिवार से फोन पर बात कर उनका हाल



लॉरेंस गैंग ने पोस्ट में क्या लिखा

लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से किए गए सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि टाइगर को पहले भी फोन करके धमकी दी गई थी। गैंगस्टर अनिल पंडित ने सोशल मीडिया पर लिखा- जय महाकाल।.. जय श्रीराम.... सभी भाइयों को राम राम... आज ये टाइगर श्रॉफ का काम हुआ है। इसकी जिम्मेदारी अनिल पंडित और हरमन संधु लेते हैं। हमने इसको कॉल करके समझाया था। लेकिन इसे समझ नहीं आया। इसलिए आज इसे बढ़िया तरीके से समझा दिया गया है। जो भी मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में हमारी बात नहीं सुनेगा या सलमान खान के साथ काम करेगा। अगला नंबर उसका होगा। वेट एंड वॉच। कुछ और ग्रुप के लोग जो हमारे नाम से फेम लेने की सोचते हैं। इनको जल्द ही मार कर फेमस करेंगे। टाइगर श्रॉफ पर हमला।

जाना है। डीसीपी मोहित गर्ग, जोन-1, पश्चिमी क्षेत्र ने स्पष्ट किया कि टाइगर श्रॉफ सुरक्षित हैं और उन्हें इस फायरिंग में कोई चोट नहीं आई है। मामले में आगे की जांच जारी है। डीसीपी मोहित ने मीडिया

संग बातचीत में बताया कि जब वो गाड़ी में बैठ के वापस जा रहे थे तब की ये घटना है। टाइगर श्रॉफ जी के कोई गोली नहीं लगी है। वो पूरी तरीके से सेफ हैं।

एआई से बनी तस्वीरों पर सख्त हुई नेहा शर्मा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गलत इस्तेमाल को लेकर दुनियाभर में चिंता लगातार बढ़ रही है। खासकर सेलिब्रिटीज इससे ज्यादा प्रभावित होते नजर आ रहे हैं। एआई की मदद से डीपफेक, एडिटेड वीडियो और किसी की पहचान का गलत इस्तेमाल करने के अभी तक कई मामले सामने आए हैं। ऐसे मामलों में कई एक्टर्स ने कानूनी कार्रवाई भी की है। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस नेहा शर्मा का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने अपने चेहरे और पहचान का इस्तेमाल करके एआई से वीडियो और तस्वीरें बनाने वालों को सख्त चेतावनी दी है।

नेहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मेरे चेहरे या पहचान का इस्तेमाल करके मेरी सहमति के बिना एआई से वीडियो या तस्वीरें बनाने वाले तुरंत ऐसा करना बंद करें। इसे लेकर आपको औपचारिक रूप से चेतावनी दी जा रही है। उन्होंने आगे लिखा, मेरी पहचान का इस्तेमाल करके पहले से पोस्ट

किए गए ऐसे सभी कंटेंट को तुरंत हटाएं। साथ ही आगे से मेरी पहचान का इस्तेमाल करके कोई भी एआई वीडियो या तस्वीर न बनाएं, न एडिट करें और न ही उन्हें शेयर करें। इस तरह मेरे चेहरे का इस्तेमाल करके मेरी गलत छवि पेश करना या मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। मैं अपने चेहरे या पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल की बिल्कुल भी सहमति नहीं देती हूं। नेहा ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए आगे लिखा, इसे औपचारिक चेतावनी समझें। ऐसे कंटेंट को बनाने, पोस्ट करने या शेयर करने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।

नीति मोहन के पिता बृज मोहन शर्मा का 15 अक्टूबर को निधन हो गया। पिता के जाने से नीति और उनका पूरा परिवार गहरे दुख में है। सिंगर ने सोशल मीडिया पर अपने पिता की तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा कि भले ही उनके पिता अब उनके बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सीख, संस्कार, प्यार और उनसे जुड़ी खूबसूरत यादें हमेशा परिवार के साथ रहेंगी।



सिंगर नीति मोहन के पिता का निधन

किया। उन्होंने लिखा, बहुत दुख और भारी मन के साथ हम अपने प्यारे पिता श्री बृज मोहन शर्मा के निधन की खबर साझा कर रहे हैं। वो 15 अक्टूबर 2026 को इस दुनिया को छोड़कर चले गए। वो एक प्यार करने वाले पति और पिता थे। हमारे लिए मार्गदर्शक और परिवार की ताकत थे। उनकी समझदारी, दयालुता, संस्कार और बिना शर्त प्यार हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे।

साल 2023 में आई फिल्म जेलर का सीकल 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आया। रजनीकांत अभिनीत यह फिल्म दोनों हाथों से नोट बटोर रही है। देश ही नहीं, दुनियाभर में यह नोट छापने की मशीन बन गई है। पिछले तीन दिन इसने शानदार प्रदर्शन किया। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा साउथ और बॉलीवुड के कई सितारे नजर आए हैं। कमाई के बीत करे तो चौथे दिन इसे रविवार की छुट्टी का फायदा मिला। सैकनलिक पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, इस फिल्म ने रविवार को 55.85 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसी के साथ जेलर 2 का टोटल नेट कलेक्शन 199.90 करोड़ रुपये हो चुका है। जेलर 2 ने ओपनिंग डे पर 59.70 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे दिन शुक्रवार को कलेक्शन 37.10 करोड़ रुपये रहा। तीसरे दिन शनिवार को इसने 47.25 कमा डाले। वर्ल्डवाइड भी जेलर 2 धमाकेदार प्रदर्शन कर रही है। दुनियाभर में यह फिल्म तीन दिनों में 321.00 करोड़ रुपये कमा



रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 का बॉक्स ऑफिस पर भौकाल जारी

चुकी है। फिल्म जेलर की बात करें तो 2023 में आई इस फिल्म ने चौथे दिन 48.88 करोड़ रुपये कमाए थे। जेलर 2 ने यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म जेलर 2 में मोहनलाल, मिथुन चक्रवर्ती, राम्या कृष्णन, एसजे सूर्या और सूरज वेंजरामूदु, योगी बाबू, जतिन सरना, सुनील सुखाड़ा और विद्या बालन भी अहम भूमिकाओं में हैं।

इसके अलावा ऋतिक रोशन का कैमियो रोल है। रजनीकांत की फिल्म के सामने विजय देवरकोंडा-रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म रणबाल मैदान में हैं। मगर, जेलर 2 पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। इसके अलावा बॉलीवुड की फिल्में प्रहार, नई नवेली और दृश्यम 3 भी जेलर 2 की कमाई के रथ को नहीं रोक पाईं।

अक्षय कुमार ने उत्तराखंड के सीएम धामी से की मुलाकात

अक्षय कुमार इन दिनों एक नई फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी सामने नहीं आया है। बीते दिनों देहरादून में फिल्म के रोमांटिक गाने की शूटिंग की खबरें सामने आई थीं। यानी अक्षय की इस फिल्म का शूटिंग के लिए उत्तराखंड की हसीन वादियों में मौजूद हैं। इसी बीच अक्षय कुमार ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी मुलाकात की है। मुलाकात के लिए अक्षय कुमार देहरादून के मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे। दोनों ने राज्य की फिल्म नीति, फिल्मों की शूटिंग की संभावनाओं और राज्य को फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बनाने को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि प्रदेश की खूबसूरत वादियां, यहां की संस्कृति और फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां फिल्म निर्माताओं को आकर्षित कर रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में फिल्मों की शूटिंग की काफी संभावनाएं हैं। सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा फिल्म निर्माता यहां आकर अपनी फिल्मों की शूटिंग करें।



नेहा धूपिया हाल ही में रिलीज हुई फिल्म डेंट बी शाय को लेकर चर्चा में रही। इस बीच उन्होंने एक बात पर अफसोस जताया है। उन्होंने उन दो प्रोजेक्ट्स के बारे में बात की है, जिन्हें करने की उनकी इच्छा थी। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने शाहरुख खान की 2007 की स्पोर्ट्स ड्रामा चक दे! इंडिया और ऑपरेशन सफेद सागर नाम की सीरीज को करने से मना कर दिया था। नेहा धूपिया ने अपने शो डबल डेंट में कहा, कभी-कभी, जब आप उन मौकों को याद करते हैं जिन्हें आपने टुकरा दिया था, तो आपको एहसास होता है कि आपने क्या खो दिया। चक दे! इंडिया और ऑपरेशन सफेद सागर ऐसे ही दो मौके थे जो मेरे साथ रह गए। मैं हमेशा से एक अच्छी स्पोर्ट्स फिल्म और एक अच्छी मिलिट्री फिल्म करना चाहती थी, मगर ये दो बड़े मौके मेरे हाथ से निकल गए। इसमें शाहरुख खान ने कबीर खान का किरदार निभाया था, जो भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान थे और बाद में महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम के कोच बन जाते हैं। इस स्पोर्ट्स ड्रामा में विद्या मालवड़े, शिल्पा शुक्ला, सागरिका घाटगे और चित्राशी रावत जैसे कलाकार भी शामिल थे।



नेहा धूपिया को है शाहरुख की फिल्म टुकराने का अफसोस

ग्रेपलिंग और ब्राजीलियन जीयू-जित्सु टूर्नामेंट में रिकांग नगोमले का जलवा

अडानी स्पोर्ट्सलाइन व अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

» मेघालय के आईडीएम फिटनेस एंड फाइट क्लब के ग्रेपलर्स ने 1 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल अपने नाम किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्रेपलिंग और ब्राजीलियन जीयू-जित्सु टूर्नामेंट में अरुणाचल प्रदेश के अभिनेता और रूट्स अरुणाचल के संस्थापक रिकांग नगोमले ने मास्टर्स -66 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। मेघालय के आईडीएम फिटनेस एंड फाइट क्लब के ग्रेपलर्स ने 1 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल अपने नाम किए। इस टूर्नामेंट को अडानी स्पोर्ट्सलाइन का समर्थन हासिल है।

एडीसीसी इंडिया ओपन 2026



2026) का सफल आयोजन 17 अक्टूबर 2026 को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित जयपी अटलांटिक द क्लब में किया गया। यह भारत के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा

ग्रेपलिंग और ब्राजीलियन जीयू-जित्सु टूर्नामेंट था, जिसमें देश-विदेश के कई बेहतरीन एथलीट्स ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट में देश के विभिन्न राज्यों के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल

नॉर्थ इंडिया की टीम ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते

नॉर्थ इंडिया की टीम ने 10 से अधिक एथलीटों के साथ इस बड़े मंच पर हिस्सा लिया और 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते। इसके अलावा कॉन्स्टेंट फाइट क्लब और आरसी कॉन्स्टेंट क्लब के खिलाड़ियों ने भी कई श्रेणियों में पॉइंट्स हासिल किया। यह इवेंट भारत में सबमिशन ग्रेपलिंग और गिवस मार्शल आर्ट्स के स्तर को



अंतरराष्ट्रीय ऊंचाइयों पर ले जाने में एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ है।

टूर्नामेंट का आयोजन तीन-मैट सेटअप के साथ

इस बार टूर्नामेंट का आयोजन एक बड़े एयर-कंडीशनर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीन-मैट सेटअप के साथ किया गया। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले एथलीटों के लिए 6.5 लाख का मध्य केश प्राइज पूल रखा गया था। इस वैपियनशिप में भारत सहित 12 देशों और 4 महाद्वीपों के 300 से अधिक ग्रेपलर्स ने अपनी ताकत और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट का समर्थन अडानी स्पोर्ट्सलाइन द्वारा किया गया था, और अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट परीक्षित कोल भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे थे।

जीते। प्रेशियस बॉन्ड लिंगदोह लिंगखोई ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि

ऐबनकिनसाई मारवेन और पैयाबास्विम मारवेन ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था ध्वस्त : सुले

» पुणे में कारोबारी पर हमला व बारामती एयरपोर्ट के पास हुई वारदात पर सांसद ने सवाल उठाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। महाराष्ट्र में बढ़ते अपराधों पर विपक्ष ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। एनसीपी (एसपी) नेता और बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने पुणे व बारामती में हुए घटना को बेहद चौंकाने वाला बताया। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। सुले ने एक्स पर कहा कि अपराधी बेखौफ होकर गोलीबारी कर रहे हैं और भाग रहे हैं। गृह विभाग का तंत्र कुछ नहीं कर पा रहा है। जनता डर में जी रही है और अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है। महाराष्ट्र में अपराध की एक अन्य वारदात मुंबई के बाद रविवार शाम पुणे जिले से सामने आई। यहां बारामती हवाई अड्डे के पास एक कारोबारी राणा सूर्यवंशी पर हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि इस हमले में कारोबारी घायल हो गए।



यह घटना शाम करीब 7.30 बजे हुई, जब सूर्यवंशी निजी काम से बारामती आए थे। उनके साथ उनका निजी अंगरक्षक भी था। दो लोग स्कूटर पर आए और खुद को सूर्यवंशी का प्रशंसक बताया। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी चैतन्य कदम के अनुसार, उन्होंने गुलदस्ता देने के बहाने उन पर हमला किया। सूर्यवंशी को चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए पुणे के रूबी हॉल क्लीनिक ले जाया गया। पुलिस ने अभी तक गोलीबारी की पुष्टि नहीं की है, जांच जारी है। अस्पताल के अनुसार, सूर्यवंशी निगरानी में हैं और एक चिकित्सा दल उनकी हालत पर करीब से नजर रख रहा है। उनके उचित इलाज के लिए विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा।

सीएम की लापरवाही लोगों की जान ले रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने सोमवार को तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर निगरानी रखने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बदले की भावना से की जा रही हत्याओं और मादक पदार्थों की बेरोकटोक तस्करी से साबित होता है कि "मुख्यमंत्री की लापरवाही लोगों की जान ले रही है।" पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के लिए सरकार की 'पूरी तरह से लापरवाही' को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु तेजी से सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण का केंद्र बनता जा रहा है, जबकि पुलिस विभाग पूरी तरह निष्क्रिय है।

स्टालिन ने कहा कि डिंडीगुल जिले में जमानत रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद एक व्यक्ति की उसकी पत्नी के सामने हत्या कर दी गई। इसके कुछ दिन बाद शिवगंगा में भी ऐसी ही घटना हुई, जहां हत्या के एक मामले में जमानत पर बाहर आए आपराधिक इतिहास वाले मदन की दिनदहाड़े पीछा कर धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस



की उदासीनता के कारण यह हत्या हुई। स्टालिन ने पेसुदुई के पास एक नर्स के अपहरण, यौन उत्पीड़न और उसकी हत्या की घटना का भी उल्लेख किया। उसका शव पांच दिन बाद बरामद हुआ था। द्रमुक नेता ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु वेब्री कषगम (टीवीके) के पदाधिकारी राजनीतिक संरक्षण मिलने की धारणा के चलते मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वेदारण्यम में गांजा तस्करी के आरोप में टीवीके के एक संघ सचिव की गिरफ्तारी के बाद उसी जिले में पार्टी के एक अन्य

» डीएमके प्रमुख स्टालिन ने तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था और नशा तस्करी पर टीवीके सरकार को घेरा

पदाधिकारी 'मेथ' भूपालन को भी गिरफ्तार किया गया। उस पर तमिलनाडु को मेथामफेटामाइन के वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने की कोशिश का आरोप है। स्टालिन ने मुख्यमंत्री से जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि मादक पदार्थों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विजय को पहले अपनी पार्टी के सदस्यों पर लगाम लगानी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री ने गृह विभाग का जिम्मा केवल नाम के लिए संभाल रखा है। विजय के हाल में शुरू किए गए नशा-विरोधी अभियान का जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा कि मुख्यमंत्री को आराम छोड़कर अपने विभाग पर नियंत्रण करना चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए। विजय ने अभियान के दौरान 'खेल अपनाओ, नशा छोड़ो' का नारा दिया था।

अपने राज्यों में तो कानून-व्यवस्था संभाले गृहमंत्री : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मंगलवार को पंजाब दौरे से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र किया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उसे अपराध करने की सहूलियतें दी हुई हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को वोट देना पंजाब में गैंगस्टर को न्योता देने जैसा होगा।

केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, अपने राज्यों में इनसे कानून व्यवस्था संभलती नहीं। देश के सबसे बड़े गैंगस्टर को इन्होंने अपना दामाद बनाया हुआ है और उसे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में अपराध करने की सारी सहूलियत दी हुई हैं। उन्होंने कहा कि और कल ये पंजाब आएंगे कानून व्यवस्था पर ज्ञान देने। पंजाब के लोगों को पता है कि इन्हें वोट देना इनके दामाद को पंजाब में न्योता देने जैसा होगा।

शेफाली-मंधाना के तूफान में उड़ा जिम्बाब्वे

» भारत ने नौ विकेट से दूसरा मैच जीतकर बनाई सीरीज में अजेय बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। शेफाली वर्मा की तूफानी बल्लेबाजी और स्मृति मंधाना की शानदार पारी के दम पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। रविवार को खेले गए इस मैच में भारत ने 103 रनों के लक्ष्य को महज 8.5 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। शेफाली वर्मा ने 25 गेंदों में 55 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान स्मृति मंधाना 47 रन बनाकर नाबाद लौटीं। दोनों ने पहले विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

शेफाली वर्मा की टी20 इंटरनेशनल करियर का 22वां अर्धशतक रहा। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। निर्धारित 20 ओवर में टीम आठ विकेट खोकर सिर्फ 102 रन बना सकी। तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने जिम्बाब्वे को शुरुआती झटका दिया। पावरप्ले में जिम्बाब्वे की टीम एक विकेट के नुकसान पर

सिर्फ 20 रन बना सकी। शुरुआती झटकों के बाद चिपो तिरिपानो और कप्तान जोसेफिन नकोमो ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी हुई, जो जिम्बाब्वे की पारी को सबसे बड़ी साझेदारी रही। भारत की ओर से ऑफ स्पिनर निकी प्रसाद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए। निकी प्रसाद लगातार दो विकेट लेकर हैट्रिक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वह यह उपलब्धि हासिल नहीं



एक वर्ष में सर्वाधिक टी20 रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं शेफाली

शेफाली वर्मा ने इस साल टी20 क्रिकेट में रनों के मामले में भी शानदार प्रदर्शन किया है। 2026 में उनके नाम अब तक 922 रन दर्ज हो चुके हैं। इस आंकड़े के साथ वह कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक टी20 रन बनाने वाली महिला खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की एल. वोल्वार्ट 824 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने इस साल 821 रन बनाए हैं। हांगकांग की नताशा माइल्स के नाम 800 रन दर्ज हैं। इसके अलावा शेफाली वर्मा ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। वह 2026 में अब तक महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष के दौरान सर्वाधिक 50 या उससे ज्यादा रन की पारियां खेलने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। यह उनका इस साल का नौवां 50+ स्कोर रहा। इस सूची में भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2024 में आठ बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए थे। पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने 2018 में सात बार यह उपलब्धि हासिल की थी। हैंगकांग की नताशा माइल्स भी 2026 में सात बार 50+ स्कोर बना चुकी हैं।

कर सकीं। इसके बावजूद भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

राजनीति-सामाजिक वातावरण और कानून व्यवस्था को लेकर लगातार बहस जारी

2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद चर्चा ही चर्चा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद देश की राजनीति सामाजिक वातावरण और कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार बहस होती रही है। इस अवधि में मणिपुर की जातीय हिंसा नूह में सांप्रदायिक टकराव भीड़ द्वारा हमलों और नफरत भरे भाषणों पर देश विदेश की संस्थाओं ने चिंता जताई है। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच ने 2025 की अपनी रिपोर्ट में मणिपुर में मई 2023 से 200 से अधिक लोगों की मौत और 60 हजार से अधिक लोगों के विस्थापन का उल्लेख किया।

वहीं वाशिंगटन स्थित इंडिया हेट लैब के अध्ययन के मुताबिक 2024 में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले नफरती भाषणों की 1165 घटनाएं दर्ज की गईं जो 2023 की 668 घटनाओं से 74 प्रतिशत अधिक थीं।

यह आंकड़े अलग-अलग स्रोतों और परिभाषाओं पर आधारित हैं, लेकिन सामाजिक तनाव और हिंसा की रोकथाम पर गंभीर सवाल जरूर खड़े करते हैं। देश में कानून व्यवस्था पर सवाल उठते हैं तो मणिपुर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मई 2023 में शुरू हुई मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों परिवारों को घर छोड़ना पड़ा। ह्यूमन राइट्स वॉच ने सितंबर 2026 में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में मणिपुर में फरवरी 2023 से चली आ रही हिंसा के व्यापक प्रभाव और नए जातीय टकरावों का उल्लेख करते हुए बाकायदा एक पूरी रिपोर्ट जारी की है। उस रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा हिंसा के नए



हरियाणा का नूह सांप्रदायिक तनाव सवाल अभी जिंदा है

जुलाई 2023 में हरियाणा के नूह में धार्मिक जुलूस के दौरान हिंसा भड़की और आसपास के जिलों तक तनाव फैल गया। इसके बाद गिरफ्तारियों और मुस्लिम परिवारों की संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर विवाद हुआ। ह्यूमन राइट्स वॉच की 2024 की रिपोर्ट ने आरोप लगाया कि हिंसा के बाद प्रशासन ने मुस्लिम निवासियों की संपत्तियां गैरकानूनी तरीके से ध्वस्त कीं और अनेक लोगों को हिरासत में लिया। प्रशासन की कार्रवाई को लेकर अदालतों में भी सवाल उठे। यहां सवाल यह नहीं कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए या नहीं। कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई जरूरी है। लेकिन सवाल यह है कि कार्रवाई सबूत और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर हो रही है या किसी पूरे समुदाय को उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। किसी अपराध के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय होना और सामूहिक दंड देना दो बिल्कुल अलग बातें हैं। कानून की विश्वसनीयता इसी अंतर को बनाए रखने में है।

मीड द्वारा हत्या या मौब लिविंग पर बहस का सबसे गंभीर पहलू आंकड़ों की कमी है। गृह मंत्रालय ने संसद में बताया था कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो मौब लिविंग के मामलों का अलग से आंकड़ा नहीं रखता। इसका मतलब यह नहीं कि घटनाएं नहीं होतीं बल्कि यह कि देशभर में इनके रज़ाना का एक समान आधिकारिक हिसाब उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में यह दावा करना कि मोदी सरकार के आने के बाद मौब लिविंग निश्चित प्रतिशत से बढ़ गई उपलब्ध सरकारी आंकड़ों से साबित नहीं किया जा सकता। लेकिन आंकड़ों की अनुपलब्धता अपने आप में नीति संबंधी सवाल है।

दौर में अगस्त 2026 के आखिर में कम से कम सात लोग मारे गए और फरवरी से जारी नागा कुकी टकराव में कुल 34 मौतें हुयीं। यह पुराने मेइती कुकी संघर्ष से जुड़ी एक अलग घटनाएं हैं जोकि राज्य में फैली हिंसा की नई परत के तौर पर सामने आयी है। मणिपुर की घटना किसी एक सामान्य आपराधिक वारदात जैसी नहीं है। यहां जातीय पहचान जमीन राजनीतिक

प्रतिनिधित्व और सुरक्षा को लेकर गहरे विवाद हैं। लेकिन इन कारणों से नागरिकों की जान और घरों की सुरक्षा का सवाल कम महत्वपूर्ण नहीं हो जाता। केंद्र सरकार और राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी है कि हिंसा रोकने विस्थापित लोगों की वापसी दोषियों की जांच और दोनों समुदायों के बीच भरोसा कायम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

नफरती भाषण और सोसाइटी में बढ़ता तनाव

फरवरी 2025 में रॉयटर्स ने इंडिया हेट लैब के अध्ययन के आधार पर रिपोर्ट किया कि भारत में 2024 के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले नफरती भाषणों की 1,165 घटनाएं दर्ज की गईं जबकि 2023 में यह संख्या 668 थी। अध्ययन के मुताबिक 2024 के आम चुनाव के दौरान ऐसे भाषणों की घटनाओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई। यह शोध समूह द्वारा संकलित घटनाओं का आंकड़ा है न कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की आधिकारिक अपराध गणना। सरकार और सत्तारूढ़ दल ने भेदभाव को बढ़ावा देने के आरोपों को खारिज किया है। फिर भी यह आंकड़ा एक अहम सवाल उठाता है? कि राजनीतिक और सामाजिक मंथों से दिए जाने वाले भाषणों का असर समाज पर कैसे पड़ता है? जब किसी समुदाय के खिलाफ नफरत भरी भाषा सामान्य राजनीतिक बहस का हिस्सा बनने लगे तो प्रशासन की जिम्मेदारी केवल घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं बल्कि हिंसा की आशंका को समय रहते रोकने की भी होती है।

'संजय सर' सहित अन्य बिन्दुओं पर जाँच की जाए: अमिताभ

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने लखनऊ में शिवा शर्मा की संदिग्ध मृत्यु के प्रकरण में वायरल बताए जा रहे ऑडियो में उल्लिखित 'संजय सर' की पहचान तथा उनकी संभावित भूमिका की निष्पक्ष जाँच की माँग की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण से संबंधित विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा पुलिस अधिकारियों से कथित संपर्कों को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

शिवा शर्मा के परिजनों ने भी इस संबंध में कुछ आरोप लगाए हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि प्रमाणित तथ्यों के आधार पर ऑडियो में उल्लिखित 'संजय सर' की पहचान की जाए तथा इस प्रकरण से संभावित रूप से जुड़े बताए जा रहे अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के संपर्कों और उनकी संभावित भूमिका की निष्पक्ष जाँच की जाए। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि श्रद्धा दुबे के मीडिया साक्षात्कारों, उनके कथित रूप से फरार होने तथा विवेचना से जुड़े घटनाक्रमों के संबंध में अब तक सामने आए प्रश्नों का निष्पक्ष परीक्षण आवश्यक है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं किसी व्यक्ति द्वारा अनुचित प्रभाव का इस्तेमाल अथवा विवेचना में हस्तक्षेप तो नहीं किया गया।



वाह रे पुलिस! आरोपी आई इंटरव्यू दिया और तंत्र देखता रह गया

» श्रद्धा दुबे प्रकरण में हजरतगंज इंस्पेक्टर के लाइन हाजिर होने के बाद उठे कई सवाल
» फरार आरोपी के इंटरव्यू और वायरल ऑडियो ने बढ़ाई चर्चा
4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के चर्चित शिवा शर्मा हत्याकांड में अब सवाल सिर्फ हत्या के आरोप में वांछित श्रद्धा दुबे की गिरफ्तारी का नहीं, बल्कि उन चेहरों की भूमिका का भी उठ रहा है, जिनके कथित संरक्षण को लेकर शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस उपायुक्त मध्य स्तर पर कार्रवाई और हजरतगंज इंस्पेक्टर के लाइन हाजिर होने की चर्चा के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर व्यवस्था की सख्ती का असर किस पर पड़ रहा है? फरार आरोपी पर या उसकी तलाश में जुटी पुलिस पर?

एक तरफ श्रद्धा दुबे की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की कार्रवाई और इनाम घोषित किए जाने की खबरें सामने आती हैं, दूसरी तरफ उसके बयान सोशल मीडिया पर प्रसारित होते दिखाई देते हैं। यहां तक कि एएनआई जैसी प्रतिष्ठित समाचार एजेंसी को दिए गए इंटरव्यू ने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रद्धा लगातार फरार है तो उसका



विषकन्याओं की कहानी अधूरी, क्या पर्दे के पीछे सक्रिय हैं बिचौलिए?

शहर में अब चर्चा सिर्फ एक आरोपी की नहीं, बल्कि उन कथित बिचौलियों की भूमिका को लेकर भी है, जिनके संबंध में तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। क्या ऐसे लोगों का कोई नेटवर्क सक्रिय है? क्या प्रभावशाली लोगों से संपर्क का इस्तेमाल किसी आरोपी को बचाने के लिए किया जा रहा है? या फिर यह केवल चर्चाएं हैं, जिनकी सच्चाई सामने आनी बाकी है? इन सवालों का जवाब किसी अफवाह से नहीं, बल्कि निष्पक्ष पुलिस जांच से ही मिल सकता है।

कथित ऑडियो में 'संजय सर' का जिक्र, आखिर कौन हैं ये संजय सर?

इस मामले में चर्चा का एक नया केंद्र वह कथित ऑडियो भी है, जिसमें श्रद्धा दुबे द्वारा 'संजय सर' का नाम लिए जाने की बात कही जा रही है। आखिर ये संजय सर कौन हैं? उनका श्रद्धा से क्या संबंध है? किस संदर्भ में उनका नाम लिया गया? क्या पुलिस ने ऑडियो की प्रामाणिकता और उसमें हुई बातचीत की जांच कराई? पुलिस पर कार्रवाई, लेकिन श्रद्धा की गिरफ्तारी कब? हजरतगंज इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर किए जाने की चर्चा के बाद अब एक बड़ा सवाल पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भी उठ रहा है। और सबसे अहम सवाल—जिस आरोपी की गिरफ्तारी पर इनाम घोषित हो, उसके कथित इंटरव्यू सामने आने के बावजूद गिरफ्तारी में देरी क्यों?

इंटरव्यू कैसे और किन परिस्थितियों में हुआ? क्या पुलिस ने इंटरव्यू के स्रोत, स्थान और संपर्क सूत्रों की पड़ताल की? क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो श्रद्धा को पुलिस की पहुंच से दूर रखते हुए मीडिया तक पहुंच बनाने में मदद कर रहा है? इन सवालों के जवाब सामने आना जरूरी है।

श्रद्धा को शहर से बाहर भेजने वाला कौन? क्या किसी मददगार की भूमिका की जांच हुई? इस पूरे प्रकरण में एक और गंभीर

सवाल सामने आ रहा है। आखिर वह कौन है जिसने कथित तौर पर श्रद्धा दुबे को शहर से बाहर भेजने में मदद की? अगर ऐसा हुआ तो क्या पुलिस ने उस व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की? सूत्रों के हवाले से कथित मददगारों और बिचौलियों की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं हैं। सवाल यह है कि क्या जांच केवल नामजद आरोपियों तक सीमित रहेगी या फरारी के दौरान मदद करने वालों की संभावित भूमिका भी खंगाली जाएगी?

आखिरकार मरीज को दूसरे अस्पताल ही ले जाना पड़ा

» दोपहर में डॉक्टर बोले—छुट्टी पर जा रहा हूं, मरीज कहीं और ले जाओ!
» स्वामी विवेकानंद अस्पताल में इलाज के नाम सोर्स लगवाने का मामला
4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। वाह स्वामी विवेकानंद अस्पताल! तेरा और तेरे डॉक्टर आमिर का क्या कहना! रात 9 बजे गंभीर हालत में भर्ती मरीज, पूरी रात इलाज के नाम पर मंगवाई जाती रही दवाइयां, लगभग 40 हजार रुपये खर्च हो गए, लेकिन परिजनों के मुताबिक मरीज की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

परिवार विशेषज्ञ चिकित्सक का इंतजार करता रहा और जब दोपहर करीब 2.30 बजे डॉक्टर पहुंचे तो कथित तौर पर यह कहकर दूसरे अस्पताल जाने की सलाह दे दी कि वह छुट्टी पर जा रहे हैं और यहां किसी अन्य डॉक्टर पर उन्हें इतना भरोसा नहीं कि मरीज का इलाज सौंपकर जा सकें। बता दें स्वामी विवेकानंद अस्पताल में इलाज के नाम पर गंभीर आरोप लगे हैं। मरीज के परिजनों का दावा है कि आयुष्मान कार्ड पर इलाज नहीं मिलेगा। ऊपर से सोर्स लगाने पर यह सुविधा मिलेगी। हालत बिगड़ने पर सीपीआर की नौबत आग गई तब मरीज के परिजन उसे लोहिया अस्पताल लेकर भाग। वहाँ डॉ. आमिर बोले, यहां किसी दूसरे डॉक्टर पर भरोसा नहीं जिसे मरीज सौंपकर जाऊं।